जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

जुलाई – सितम्बर, 2019 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष– 04 अंक – 12

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ
- अवार्ड/सम्मान
- कृषि उदय 2019
- आगामी रबी मौसम के कृषि कार्य

संरक्षक

प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवाएं
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक

डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल

डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. वाय.एम. शर्मा
डॉ. प्रमोद गुप्ता

निदेशक की कलम से

बीज प्रत्येक फसल की आधारशिला है जिसके ऊपर बोई गई फसल की अच्छी पैदावार निर्भर करती है, यदि बुवाई के लिये उपयोग किया जाने वाला बीज स्वस्थ्य व निरोगी हो तो बीजों का अंकुरण अच्छा होगा व पौधे निश्चित ही स्वस्थ होंगें। हमारे देश में आज भी 65 फीसदी किसान बीज की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देते हैं, यही कारण है कि उत्पादन अपेक्षा से कम मिलता है । सच ही कहा है **''बोया बीज बबूल का आम कहाँ से होय''** किसान भाई जागरूकता के अभाव में घर का पुराना बीज बोने की गलती करते हैं। बाजार से बीज खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, निर्माता एवं प्रदाय संस्था की जानकारी रखना अति आवश्यक है। बीजों की सही गुणवत्ता परखने की पहली जिम्मेदारी किसान की है। किसान यह सुनिश्चित कर लें कि जो बीज बोने जा रहे हैं वह सही गुणवत्ता वाला हो, बीज उत्पादक संस्थायें एवं किसान जो स्वयं बीज उत्पादन करते हैं इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। बीज उत्पादन क्षेत्र को कमाई का साधन न बनाते हुये सेवा का माध्यम मानकर बीज उत्पादन करें तो किसान भाइयों को स्वस्थ बीज मिल सकेगा। एक कहावत है कि **जैसा बोओगे वैसा काटोगे** उक्त कहावत फसल एवं मानव जाति दोनों पर लागू होती है, अतः जागरूक होकर समस्त कृषक भाई–बहन बोनी से पूर्व बीज की गुणवत्ता को अवश्य परखें ।

डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवायें

महान उपलब्धि

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर को सर्वश्रेष्ठ कृषि विश्वविद्यालय अवार्ड

भारत के 71 कृषि विश्वविद्यालयों में अपनी श्रेष्ठता प्रतिपादित करते हुये जवाहरलाल कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर को देश का प्रतिष्ठित **सरदार पटेल आई.सी.ए.आर. सर्वश्रेष्ठ कृषि विश्वविद्यालय अवार्ड–2018** से अलंकृत किया गया। यह अवार्ड भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी द्वारा माननीय कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन जी को प्रदान कर अलंकृत किया। कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्रों द्वारा भावभीना स्वागत एवं सत्कार किया गया।

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

कृषकों की आय दोगुना करने हेतु कार्यशाला

कृषकों की आय को दोगुना करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–9, अटारी, जबलपुर में दिनांक 08 जुलाई, 2019 को किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र पन्ना, रीवा, टीकमगढ़, शहडोल, सीधी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने कार्ययोजना प्रस्तुत की इस अवसर पर संचालक अटारी डॉ. अनुपम मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्ययोजना बनाई गई ।

पीपल वृक्षारोपण

महामहिम राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदी बेन पटैल के निर्देशानुसार, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता के मार्गदर्शन में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के

स्थापना दिवस दिनांक 16 जुलाई, 2019 के अवसर पर समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं ज.ने.कृ.वि.वि. के वैज्ञानिक कर्मचारियों द्वारा 200 पीपल के वृक्षों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्र एवं वि.वि. के वैज्ञानिक व कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग रहा।

26वीं आंचलिक कार्यशाला 2019

26वीं आंचलिक कार्यशाला दिनांक 27–29 जुलाई, 2019

को खजुराहों (म.प्र.) में आयोजित की गई, इस कार्यशाला में जोन–IX के अंतर्गत सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों की भागीदारी रही। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार एवं अन्य विशिष्ट अतिथि डॉ. ए.के. सिंह, सहा. महानिदेशक, पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस, श्री अभय महाजन, अधिष्ठाता दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट, श्री वी.डी. शर्मा, सांसद खजुराहो, डॉ. एस के राव, माननीय कुलपति राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, प्रो. पी.के. बिसेन, माननीय कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, डॉ. अनुपम मिश्रा, संचालक, अटारी जोन–IX जबलपुर, संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता

की गरिमामयी उपस्थिति रहीं। इस कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं 3 कृषि विश्वविद्यालय के 300 वैज्ञानिक उपस्थित थे। कार्यशाला में 8 तकनीकी सत्रों में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। विशेष तकनीकी सत्र में ''बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि विकास हेतु कार्य योजना'' विषय पर चर्चा की गई। इस विशेष सत्र में माननीय कुलपति, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर एवं रा.मा.वि.रा.कृ.वि.वि, ग्वालियर, योजना आयोग के सदस्य, सांसद खजुराहो, सांसद हमीरपुर, पूर्व मंत्री महिला बाल विकास, सामाजिक कार्यकर्ता एवं 5 कृषि विज्ञान केन्द्र, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर एवं 1 कृषि विज्ञान केन्द्र, रा.मा.वि.रा.कृ.वि.वि., ग्वालियर के

वैज्ञानिक सम्मिलित हुये। कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक उपस्थित थे ।

आई.सी.ए.आर. क्षेत्रीय समिति (Regional committee) जोन–7 की बैठक

आई.सी.ए.आर. क्षेत्रीय समिति (Regional committee) जोन–7 की बैठक एन.बी.एस.एस. एवं एल.यू.पी. नागपुर में दिनांक 9–10 अगस्त, 2019 को आयोजित की गई। इसका उद्घाटन श्री कैलाश चौधरी, माननीय राज्य मंत्री कृषि

मंत्रालय एवं किसान कल्याण भारत सरकार महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महामात्रा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा किया गया एसं सहायक महानिदेशक कृषि अभियांत्रिकी, डॉ. एस.के. सिंह, संचालक, एन.बी.एस.एस. एवं लैंड स्केपिंग माननीय कुलपति डा. प्रदीप कुमार बिसेन, संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर की उपस्थिति में संचालनालय विस्तार सेवायें से प्रकाशित तकनीकी साहित्य ''Path of Success A Way Forward'' का विमोचन किया गया।

कृषक समृद्धि हेतु नवाचारी तकनीकी एवं रणनीति हेतु बुद्धिशीलता सत्र

दि. 26–27 अगस्त 2019 को म.प्र. एवं छत्तीसगढ के कृषक समृद्धि हेतु नवाचारी तकनीकी एवं रणनीति हेतु बुद्धिशीलता सत्र दिल्ली में आयोजित किया गया। सत्र का आयोजन

संचालक अटारी डॉ. अनुपम मिश्रा एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार, महानिदेशक भा. कृ.अनु. परिषद् सह महानिदेशक एवं अन्य विशिष्ट अतिथिगण की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर तकनीकी बुलेटिन **''एकीकृत कृषि वानिकी प्रणाली एवं पद्धतियाँ''** का विमोचन किया गया।

संचालक महोदय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा का भ्रमण

दिनांक11 सितंबर, 2019 को संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता द्वारा केन्द्र का टेक्नॉलाजी पार्क एवं विभिन्न इकाईयों जैसे केंचुआ खाद इकाई, वर्मी वाश, अजोला इकाई, पॉली हाउस, फल व सब्जी की नर्सरी, मशरूम उत्पादन इकाई, प्रयोगशला एवं संग्रहालय का भ्रमण किया गया एवं विभिन्न कृषि तकनीकी के पोस्टर, जीवंत सामग्री का प्रदर्शन एवं प्लास्टिक बैग व प्लास्टिक

मल्चिंग का उपयोग न करने हेतु निर्देशित किया गया, इस अवसर पर केन्द्र/वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए.के. पांडे एवं केन्द्र के अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक

दिनांक 11 सितंबर, 2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र, मझगवां जिला–सतना में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक निदेशक अटारी डॉ. अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संचालक विस्तार सेवों डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि कृषकों की आय दोगुना करने की दिशा में कृषि विज्ञान केन्द्र जिले की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये विभिन्न तकनीकी का प्रसार प्रचार करें। महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, डॉ. ए.के. पाण्डे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय रीवा, सचिव, डी.आर.आई. श्री अभय महाजन

एवं मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं किसान उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पशुधन रोग नियंत्रण एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का प्रधानमंत्री द्वारा शुभारम्भ का सीधा प्रसारण

मत्स्य पालन, पशु पालन एंव डेरी मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (खुरपका एवं मुहपका रोग ब्रूसेलोसिस) एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का शुभारम्भ देश में मथुरा से किया गया जिसका सीधा प्रसारण दिनांक 11 सितम्बर 2019 को ज.ने.कृ.वि.वि. के अधीनस्थ सभी कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से गाँवों में कृषको को एवं पशुपालकों को दिखाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री जी के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (खुरपका एवं मुँहपका रोग ब्रूसेलोसिस) एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम पर कृषकों को संदेश दिया गया। कार्यक्रम में शिविर के आयोजन द्वारा पशुओं का टीकाकरण एवं उपचार भी किय गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की रावे छात्राओं एवं कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

सागर जिले में द्वितीय कृषि विज्ञान केन्द्र के स्थापना हेतु उच्च स्तरीय समिति का सागर भ्रमण

दिनाक 13 सितंबर, 2019 को सागर जिले में द्वितीय कृषि विज्ञान केंद्र के स्थापना के लिए स्थल के निरीक्षण हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली की उच्च स्तरीय समिति द्वारा सागर के ग्राम बिजोरा देवरी का भ्रमण किया गय। उपरोक्त समिति में डॉ. के. नारायणा गौड़ा (अध्यक्ष), डॉ. अनुपम मिश्रा (सदस्य–सचिव), डॉ. ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवाए, ज.ने.कृ.वि.वि., डॉ. ए.के. पात्रा (सदस्य), डॉ. एस.सी. मुखर्जी (सदस्य), डॉ. टी.आर. शर्मा, प्राध्यापक, ज.ने.कृ.वि.वि., श्री जे.एस. राजपूत (सदस्य) सम्मिलित रहे एवं डॉ. के.एस. यादव, डॉ. वैशाली शर्मा, वैज्ञानिक, श्री नील कमल पन्द्रे, कार्यक्रम सहायक द्वारा

स्थल का भ्रमण कराया गया।

निरीक्षण के दौरान समिति ने स्थानीय प्रशासनिक अमला, स्थानीय रहवासियों के साथ स्थानीय भौगोलिक स्थिति, आवागमन की सुविधा, मृदा प्रकार लाभांवित क्षेत्र आदि पर विस्तृत चर्चा समिति के अध्यक्ष तथा सदस्यों द्वारा की गयी।

वृहद वृक्षारोपण अभियान एवं कृषक गोष्ठी

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वृहद वृक्षारोपण अभियान एवं कृषक गोष्ठी में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्रों में डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें के मार्गदर्शन में दिनांक 17 सितंबर 2019 को वृक्षारोपण एवं कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इफको के वित्तीय सहयोग से प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र को एक हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया । कृषक गोष्ठी में वृक्षारोपण का

पर्यावरण में योगदान, मृदा स्वास्थ्य एवं जल संरक्षण, रबी मौसम हेतु महत्वपूर्ण रणनीति पर चर्चा की गई एवं कृषकों को विभिन्न पौधों का वितरण किया गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

राणा हनुमान सिंह जयंती पर कृषक सम्मेलन सह–प्रदर्शनी का आयोजन

केन्द्र द्वारा राणा हनुमान सिंह जयंती के अवसर पर ''कृषक सम्मेलन सह–प्रदर्शनी'' का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री सचिन सुभाष यादव, कृषि मंत्री, कृषि कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, मध्य प्रदेश शासन, माननीय श्री प्रदीप जायसवाल, मंत्री खनिज विभाग, मध्य प्रदेश शासन, सुश्री हिना काँवरे, विधानसभा उपाध्यक्ष, मध्य प्रदेश, डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, कुलपति, ज.ने.कृ.वि.वि, जबलुपर, विधायक कंटगी एवं प्रमण्डल सदस्य ज.ने.कृ.वि.

वि. श्री टामलाल सहारे एवं विधायक बैहर श्री संजय उईके की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री यादव ने विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा उन्नतशील कृषि को अपनाने की किसानों को सलाह दी। इस अवसर पर कुलपति डॉ. बिसेन द्वारा बालाघाट जिले के सभी किसानों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर 4 कृषि विज्ञान केन्द्रो डिण्डोरी, मण्डला, छिन्दवाड़ा, सिवनी द्वारा कृषि प्रदर्शनी भी लगाई गयी। इस सम्मेलन में 6500 किसानों ने भाग लिया।

वृहद वृक्षारोपण अभियान एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन

ग्राम बोट्टे (हजारी) में केन्द्र द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर दिनांक 17 सितंबर, 2019 वृहद वृक्षारोपण अभियान एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया।

पूर्व कृषि मंत्री एवं विधायक बालाघाट श्री गौरीशंकर बिसेन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री बिसेन ने वृक्षारोपण के पश्चात् प्रधानमंत्री के संकल्प स्वच्छ भारत, सुन्दर भारत के संदर्भ में पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाली पॉलीथीन के उपयोग को नहीं करने की सलाह दी। आपने वृक्षारोपण से होने वाले लाभ तथा पर्यावरण एवं जल संरक्षण के उपायों को अपनी कार्यशैली में लाने एवं जैविक खेती को अपनाने एवं बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में किसानों को 1000 पौधों का वितरण किया गया। जिसमें अमरूद, कटहल, नीम, जामुन एवं नींबू के एक–एक पौधे प्रत्येक किसानों को दिये गयें।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

मुर्गीपालन विषय पर ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का समापन

केन्द्र में दिनांक 08 सितम्बर 2019 को केन्द्र प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक पशुपालन डॉ. अनिल शिंदे की अगुवाई एवं केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन पश्चिम क्षेत्र मुम्बई के वित्तीय सहयोग से एक सप्ताह के प्रशिक्षण का समापन किया गया जिसमें लगभग 55 ग्रामीण युवाओं ने भागीदारी की एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. व्ही. के. पराडकर, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, छिंदवाड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कु. रिया ठाकुर द्वारा किया गया। डॉ. व्ही.के. पराडकर ने ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण उपरांत मुर्गीपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने की सलाह दी। डॉ. व्ही.के. वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को छोटे स्तर से मुर्गीपालन को करने के लिए प्रेरित किया और

इसे एकीकृत कृषि का एक अभिन्न हिस्सा बताया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. विशाल नरवड़े, सहायक संचालक, केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन, पश्चिम क्षेत्र, मुम्बई उपस्थित थे। आपने कहा कि खेती के साथ–साथ मुर्गीपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने से अतिरिक्त आय प्राप्त होती है।

वृहद वृक्षारोपण एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन

केन्द्र द्वारा दिनांक 17 सितंबर, 2019 को देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर वृहद वृक्षारोपण एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैतूल–हरदा संसदीय क्षेत्र के माननीय सांसद श्री दुर्गादास उइके शामिल हुए। कार्यक्रम के आरंभ में केन्द के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. व्ही.के. वर्मा के मार्गदर्शन में समस्त वैज्ञानिक, कृषि महाविद्यालय पवारखेड़ा के रावे छात्र, समेकित विद्यालय बैतूल बाजार के कृषि संकाय के विद्यार्थी, प्राचार्य, शिक्षकगण के साथ नगर परिषद बैतूल बाजार के अध्यक्ष श्री

सुधाकर पवार एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्वच्छता एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता रैली निकाली गई, इस रैली में मुख्य अतिथि माननीय सांसद महोदय भी शामिल हुए। इस अभियान के तहत केन्द्र के द्वारा 1100 फलदार एवं वानिकी के पौधों का विद्यालय प्रांगण, कृषि विज्ञान केन्द्र प्रांगण एवं कृषक प्रक्षेत्रों में रोपण हेतु वितरण किया गया। माननीय सांसद महोदय द्वारा परिसर में नवगृह वाटिका की स्थापना कर वाटिका के मध्य में लक्ष्मी तरू पौधे का रोपण किया गया। इस अवसर पर डॉ. मेघा दुबे वैज्ञानिक शस्य के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई एवं प्रदर्शनी का अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 467 लोगों ने भाग लिया जिसमें वैज्ञानिक कु. रिया ठाकुर, डॉ. अनिल शिंदे, डॉ. संजय जैन, इंजी. कुमार सोनी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव वर्मा एवं आभार प्रदर्शन का कार्य श्री आर.डी. बारपेटे द्वारा किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

राष्ट्रीय खाद सुरक्षा मिशन अंतर्गत आदान वितरण एवं वर्तमान फसल स्थिति

केन्द्र द्वारा दिनांक 01 जुलाई 2019 का राष्ट्रीय खाद सुरक्षा मिशन अंतर्गत कृषकों को मूंग का बीज एवं जैव उर्वरक का

वितरण किया गया तथा उक्त तकनीकी के बारे में प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण में फसल उत्पादन एवं उत्पादकता को प्रभावित करने बाले कारक उक्त बीज, अनुशंसित उर्वरक, खरपतवार प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन पर विशेष प्रकाश डाला गया और बताया गया कि उक्त कारक को ध्यान में रखकर खेती की जाये तो उत्पादन मे अवश्य वृद्धि होगी, मूंग फसल में पीला मोजेक रोग एक वृहद समस्या है, जिसके समाधान हेतु मोजेक रोग रोधी किस्मों का चुनाव करना चाहिये। जिसको मध्य नजर रखते हुये केन्द्र द्वारा मूंग की प्रजाति शिखा का वितरण किया गया, ताकि उक्त फसल में पीला मोजेक रोग न आ सके और कृषक अत्यधिक उत्पादन प्राप्त कर लाभान्वित हो सकें।

निदेशक द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर का भ्रमण

20 जुलाई 2019 को डॉ. अनुपम मिश्रा, निदेशक, तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी, जोन–9), जबलपुर द्वारा केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर स्थापित नवीन तकनीकियों का अवलोकन किया गया एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। क्रॉप केफेटेरिया के संदर्भ में बताया

गया कि बुन्देलखण्ड़ क्षेत्र हेतु अधिक से अधिक उपयुक्त फसल एवं उपयुक्त प्रजाति के साथ–साथ उपयुक्त तकनीक का प्रदर्शन किया जाये, जिसको देखकर कृषक लाभान्वित हो सकें एवं भविष्य में अपने द्वारा उत्पादित फसलों में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के तकनीकों का समावेश परिलक्षित हो, ताकि कृषक प्रति इकाई अत्यधिक लाभ कमा सकें एवं लागत में कमी लाई जा सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा

मक्का मे फॉल आर्मी वर्म जागरूकता अभियान

मक्का मे फॉल आर्मी वर्म के प्रकोप को देखते हुऐ जिले के सभी 11 विकासखंडों मे एक दिवसीय फॉल आर्मी वर्म जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें केन्द्र छिंदवाड़ा के वैज्ञानिकों ने विकासखंडों के अलग अलग गांवों में जाकर कृषकों के खेत में पहुँचकर मक्का मे फॉल आर्मी वर्म हेतु जागरूक किया। जिसमे केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ सुरेन्द्र पन्नासे के मार्गदर्शन मे कीट वैज्ञानिक श्री पी. एल. अम्बुलकर, डॉ. डी. सी श्रीवास्तव, डॉ आर. के झाड़े, श्री एस. एल. अलावा, श्रीमति चंचल भार्गव की टीम ने फॉल आर्मी वर्म से बचाव एवं उपचार की जानकारी कृषक मित्र,

कृषक दीदी एवं कृषकों को दी। जागरूकता अभियान के दौरान कीट वैज्ञानिक श्री अम्बुलकर ने बताया कि यह कीट 80 प्रकार की फसलों पर अपना गुजारा कर सकता है, प्रायः मक्का, धान, गन्ना, कपास,ज्वार,सोयाबीन आदि फसलों पर अधिकांशतः दिखाई देता है,परंतु इसका पसंदीदा भोजन मक्का है। मक्का के यांत्रिक प्रबंधन हेतु डॉ झाड़े ने बताया कि अंडे के गुच्छे एवं इल्लियों ढूंढ़ कर हाथ से इकट्ठा कर नष्ट करें। जैविक कीटनाशक के रूप में बी टी 1 किग्रा प्रति हैक्टर अथवा बिवेरिया बेसियाना 1.5 ली प्रति हैक्टर का छिड़काव सुबह अथवा शाम के समय करने की सलाह दी।

राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम

केन्द्र द्वारा 1 से 30 सितंबर, 2019 तक राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्र के अंगीकृत

गांवों में जाकर महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण की समस्या को समाप्त करने संबंधित जानकारी प्रशिक्षण के माध्यम से केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे, पोषण आहार विशेषज्ञ डॉ. ध्रुव श्रीवास्तव द्वारा दी गई, इसी तारतम्य में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा केन्द्र के तत्वाधान में दिनांक 26 सितंबर, 2019 को शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में माननीय पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना एवं अपर कलेक्टर राजेश शाही की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा आंगनवाड़ी के 20 बच्चों को गोद लेकर अगले 6 माह तक आवश्यकतानुसार देखभाल करने के लिए अधिकारियों को कहा। इस कार्यक्रम में पोषण संबंधी जागरूकता लाने के लिए सभी को सहयोग देने का संकल्प दिलाया गया एवं आयरन तथा कैल्शियम की मात्रा कैसे बढ़ाएं, जिससे आहार को संतुलित बनाया जा सके, के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पोषण आहार विशेषज्ञ डॉ. ध्रुव श्रीवास्तव, वैज्ञानिक डॉ. सरिता सिंह, श्री नितेश गुप्ता, श्री सुंदरलाल अलावा तथा श्रीमति चंचल भार्गव कार्यक्रम में तकनीकी सलाहकार के रूप में उपस्थित हुए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

''राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम'' के शुभारंभ का सीधा प्रसारण

केंद्र द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (भारत सरकार) के दिशा निर्देशों के अनुरूप केंद्र पर दिनांक 11 सितंबर, 2019 को देश के माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका सीधा प्रसारण में श्री आर.एस. शर्मा, संयुक्त संचालक, कृषि, सागर संभाग के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. डी.के. विश्वकर्मा, उपसंचालक, पशुपालन विभाग, दमोह ने की। इस कार्यक्रम में 113 पशुपालक/कृषकों एवं 26

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। केंद्र के वैज्ञानिक श्री बी.एल. साहू, द्वारा पशुपालन के महत्व एवं डेयरी पदार्थों के मूल्यवर्धन संबंधी विभिन्न जानकारी उपस्थित पशुपालकों को दी। केंद्र के वैज्ञानिक श्री एम.के. अहिरवार ने कृषकों चारा फसलों की उन्नत तकनीकी के बारे में जानकारी प्रदान की तथा डॉ. आर.के. द्विवेदी, तकनीकी अधिकारी द्वारा पशुपालन का जैविक खेती में उपयोगिता के महत्व को उपस्थित पशुपालकों के समक्ष प्रस्तुत किया। केंद्र के मौसम वैज्ञानिकों श्री राजेश खावसे एवं श्री अनूप बड़गैंया द्वारा पशुपालन में मौसम आधारित रोगों के बारे में बताया, कार्यक्रम में केंद्र के तकनीकी अधिकारी श्रीमति रेशमा झारिया एवं टीकमगढ. कृषि महाविद्यालय की रावे छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी

कृषि वैज्ञानिक परिसंवाद सह–मेला

केन्द्र द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह गौतम के मार्गदर्शन में माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन द्वारा अंगीकृत ग्राम घुण्डीसरई विकासखण्ड शहपुरा में 'कृषक वैज्ञानिक परिसंवाद मेला' का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन, कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं डॉ. आर.एम.साहू अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय शामिल हुए। कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक एवं क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं रावे छात्र शामिल हुए। जबलपुर, बालाघाट, मंडला, शहडोल एवं कटनी कृषि विज्ञान केंद्रो ने प्रदर्शनी लगायी साथ ही डिण्डौरी जिले के विभिन्न विभागों ने अपनी उन्नत तकनीकी के प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसमें वृहद संख्या में कृषक लाभान्वित हुए। माननीय अतिथियों द्वारा फसल प्रदर्शनों का अवलोकन किया साथ ही विभिन्न विभागों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिले में कृषि के क्षेत्र में नवोन्वेषी कार्य कर रहे प्रगतिशील कृषकों को माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र, श्रीफल एवं शाल प्रदान करके उनका उत्साह वर्धन किया गया, तदोपरांत प्रदेश के पांच कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुखों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र डिण्डौरी द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ठ कार्यो हेतु केन्द्र प्रमुख डॉ. एस.एस. गौतम, श्रीमति गीता सिंह, डॉ. सतेन्द्र कुमार श्रीमति निधि वर्मा, श्रीमति रेणु पाठक, श्री डी.पी.सिंह, श्री अवधेश कुमार पटेल एवं कु. श्वेता मसराम, को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। स्वागत उदबोधन संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता द्वारा दिया गया। उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथिगणों द्वारा प्रेरणदायी उदबोधन दिया गया। कृषकों के लिये उपयोगी साहित्य के वितरण के साथ ही कृषकों की विभिन्न समस्याओं को समाधान भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 1850 कृषक व महिला लाभान्वित हुए।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

केंद्र द्वारा संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता के निर्देशन में केंद्र प्रभारी डॉ शैलेंद्र गौतम के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्रीय मंत्री इस्पात भारत सरकार सरकार ने कार्यक्रम का शुभारंभ नीम के पौधे के रोपण से हुआ, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष श्री पंकज तेकाम तथा संजय साहू उपस्थित थे

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। संचालक विस्तार सेवायें डॉ श्रीमती ओम गुप्ता ने केंद्र के कृषि गत कार्यों का उल्लेख किया साथ ही डिंडौरी में कृषक हित में चलाई जा रही गतिविधियों का विस्तृत ब्योरा दिया। माननीय मंत्री जी श्री फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा कृषकों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा कृषकों के लिये विभिन्न योजनाएं देश को समर्पित की गई है। इस अवसर पर कृषकों को 1000 फलदार कृषि वानिकी एवं उद्यानिकी पौधे वितरित किए गए। डॉ गीता सिंह, डॉ. सत्येंद्र कुमार, श्रीमती निधि वर्मा, श्रीमती रेनू पाठक, श्री डी.पी. सिंह, श्री अवधेश पटेल, कुमारी श्वेता मसराम को प्रशस्ति पत्र माननीय मंत्री जी द्वारा प्रदान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण एवं जागरूकता अभियान

केन्द्र एवं किसान कल्याण एवं कृशि विकास विभाग, हरदा द्वारा संयुक्त रूप से मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण एवं जागरूकता अभियान का आयोजन दिनांक 16 अगस्त

2019 से 30 सितम्बर 2019 तक जिले के प्रत्येक पंचायत में किसान संगोष्ठियों के माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा मृदा नमूने एकत्रित करने की विधि, फसलों में आवश्यक पोषक तत्वों का महत्व, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लाभ और फसल उत्पादन में मृदा स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

तिलहनी फसल में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

केन्द्र के वैज्ञानिक दल द्वारा दिनांक 09 सितम्बर 2019 को ग्राम आमासेल, जिला हरदा में तिलहनी फसल में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन अंतर्गत प्रक्षेत्र भ्रमण किया गया साथ ही ग्राम बालागांव में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

पौधा रोपण कार्यक्रम एवं कृषक संगोष्ठी

केंद्र ने इफको के सहयोग से दिनांक 17 सितंबर, 2019 को पौधा रोपण कार्यक्रम एवं किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. स्वाति सदानंद गोडबोले, महापौर जबलपुर थी. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन कुलपति, जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ने की. कर्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के प्रक्षेत्र में पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानो को 1000 पौधे वितरित किये गये. कार्यक्रम में कृषक संगोष्ठी का भी आयोजन

किया जिसमे श्री आर.एस. तिवारी, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, इफको जबलपुर, डॉ. एस.आर.के. सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक अटारी जोन– IX जबलपुर ने किसानों को संबोधित किया. डॉ. आर.एम, साहू, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर ने किसानो को पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों का महत्व समझाया. केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला ने किसानों को पर्यावरण संरक्षण एवं खेती के लिए स्वस्थ्य मृदा के लाभ के बारे में बताया. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ. डी. के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. प्रमोद शर्मा एवं श्रीमती जीजी एनी अब्राहम का सराहनीय योगदान दिया।

पंचवर्षीय समीक्षा दल द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यो की समीक्षा

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में दिनांक 22 सितंबर, 2019 को भारत सरकार द्वारा गठित पंचवर्षीय समीक्षा दल के सदस्यों द्वारा केन्द्र, का भ्रमण किया गया। इस दौरान किसानों के प्रक्षेत्र पर केन्द्र द्वारा प्रसारित तकनीकों का अवलोकन किया जिसमें प्रमुख रूप से मूंग उत्पादन तकनीक, कृषि वानिकी पद्धति, धान पर डाले गये प्रदर्शन व समन्वित खेती प्रमुख रही।

केन्द्र, में स्थापित प्रदर्शन ईकाई, फसल कैफेटेरिया, क्राप म्यूजियम, किसान कार्नर आदि का अवलोकन भी किया गया। इस अवसर पर समीक्षा दल की अध्यक्षता कर रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के पूर्व कुलपति प्रो. गया प्रसाद, समीक्षा दल के अन्य सदस्य डॉ. ओ.पी. सिंह पूर्व संचालक विस्तार सेवायें, सरदार पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ तथा डॉ. वाई.पी.एस. डभास

संचालक विस्तार सेवायें पंतनगर ने केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की तथा किसानों की आय दुगुनी किये जाने के प्रयास में केन्द्रों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी, जबलपुर के संचालक डॉ. अनुपम मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता, संयुक्त संचालक प्रसार डॉ. डी.पी. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक अटारी डॉ. एस.आर. के. सिंह, डॉ. अजय राउत की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा समीक्षा दल द्वारा केन्द्र पर उपस्थित किसानों एवं कृषक महिलाओं से चर्चा भी की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र, की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला, वैज्ञानिक डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. नितिन सिंघई, श्री प्रमोद शर्मा, श्रीमति जीजी एनी का

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

सोयाबीन प्रसंस्करण में दो दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक 29 अगस्त, 2019 एवं 31 अगस्त, 2019 को सोयाबीन प्रसंस्करण विधि प्रर्दशन अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र में किया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थी के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग के बहोरीबंद ढीमरखेड़ा कटनी विजयरघवगढ़ बड़वारा एवं रीठी ब्लाक के परियोजना अधिकारी पर्यवेक्षक व आंगनवाड़ी

कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सोयाबीन व उससे बनने वाले उत्पादों का उपयोग किया जाना ताकि कुपोषण को जिले से मुक्त किया जा सके। प्रशिक्षणर्थियों द्वारा सोयाबीन प्रसंस्करण पद्धति सीखी गयी। सोयाबीन से दूध, दही, पनीर का निर्माण किया गया आंगनबाड़ी केन्द्रो में गृह वाटिका में लगाये जाने वाले फलदार पौधे एवं सब्जियों बताया गया साथ ही 0–5 वर्ष के बच्चों, किशोरी, बालिकाओ, गर्ववती महिलाओ के संतुलित आहार के बारे में जानकारी प्रदान की गई ।

आई.सी.ए.आर. की क्यू.आर.टी. टीम का भ्रमण

दिनांक 22 सितंबर, 2019 को केंद्र कटनी में आई सी ए आर की क्यू आर टी टीम द्वारा भ्रमण किया गया क्यू आर टी टीम में डॉ. गया प्रसाद पूर्व कुलपति मेरठ एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, डॉ. वाई.पी. दवास, निर्देशक प्रसार, डॉ. ओ.पी. सिंह निर्देशक, डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता संचालक विस्तार सेवाऐं जवाहर लाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, डॉ. डी.के. शर्मा संयुक्त निर्देशक प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर.

के. सिंह अटारी जबलपुर रहे, सर्वप्रथम क्यू आर टी टीम द्वारा ग्राम तिवरी में कृषक श्री पुरुषोत्तम ठाकुर के यहां समन्वित कृषि प्रणाली का अवलोकन किया तथा कृषक से समन्वित कृषि प्रणाली के बारे में चर्चा की उसके उपरांत टीम ग्राम नैंगवा में कृषक श्रीमती उत्तरा बाई रामसिंह के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया, क्यू आर टी टीम द्वारा केंद्र में वृक्षारोपण का कार्य किया एवं प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ऐ. के. तोमर द्वारा केंद्र पर की जा रही विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के बारे में क्यू.आर.टी. टीम को कृषि, उद्यानिकी, मछलीपालन, पशुपालन, जैविक खेती के बारे में अवगत कराया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

मण्डला जिले के कृषकों की समस्याओं से रूबरू हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री

किसानों की आय दुगनी करने के कार्यक्रमों के चरण में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर नई दिल्ली में दिनांक 26–27 अगस्त, 2019 को केन्द्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण भारत सरकार माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी तथा कृषि राज्य मंत्री माननीय श्री कैलाश चौधरी जी एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा जी की उपस्थिति में प्रदेश के किसानों एवं किसान उत्पादक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ सीधी परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक डॉ. प्रणय भारती जिले के कृषक एवं किसान उत्पादक संगठन के प्रतिनिधि श्री अनीश मंसूरी एवं श्री लोचन भावरे के साथ उपस्थित हुए। सर्वप्रथम कृषकों ने अपनी बात रखते हुए बताया कि वह वर्तमान में किस तरह खेती कर रहे है और केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में कृषि नवाचार को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे है। किसान उत्पादक संगठन पर चर्चा करते हुए

जिले की ओर से मण्डला आर्गेनिक के प्रतिनिधि श्री अनीश मंसूरी एवं श्री लोचन भावरे ने बताया कि केन्द्र एवं आत्मा के परियोजना संचालक श्री सलिल धगट एवं सहायक संचालक डॉ. रविकांत सिंह के मार्गदर्शन में जैविक खेती करने वाले कृषकों का पी.जी.एस. के तहत जैविक प्रमाणीकरण कराया गया एवं 9 समितियां बनाई गई जिनको मिलाकर मण्डला आर्गेनिक कृषक प्रोड्यूसर कम्पनी का गठन किया गया, जिसके अंतर्गत वर्तमान में लगभग 9000 कृषकों का पंजीयन है। मण्डला आर्गेनिक कृषक प्रोड्यूसर कम्पनी के अंतर्गत कृषकों के जैविक उत्पादों का मूल्य निर्धारण समिति के सदस्यों द्वारा किया जाता है तथा कंपनी द्वारा कृषकों के उत्पादों को बाजार भाव से न्यूनतम 15 प्रतिशत अधिक मूल्य पर क्रय किया जाता है, जिससे कृषक लाभांवित हो रहे है।

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का किसानो से संवाद का सीधा प्रसारण

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम के मार्गदर्शन में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण व राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के शुभारंभ का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमति मधु परस्ते सरपंच गाजीपुर मण्डला रही, जिन्होने कृषकों से केन्द्र से तकनीकी मार्गदर्शन व पशुपालन विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त करने हेतु आव्हवान किया। केन्द्र प्रमुख ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि टीकाकरण के द्वारा एफ. एम.डी. को 2025 तक पूरी तरह नियंत्रण किया जाना और

2030 तक इसका पूर्ण रूप से उन्मूलन करना तथा पशु नस्ल सुधार हेतु कृत्रिम गर्भाधान किया जाना है। डॉ. (श्रीमति) भारती पाठक, उपसंचालक पशुचिकित्सा एवं डॉ. पी. के. ज्योत्शी, प्रभारी कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र ने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से कृषकों को अवगत कराया तथा उनकी समस्याओं को सुनकर निदान किया।

केन्द्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. प्रणय भारती एवं डॉ. आर. पी. अहिरवार ने मुहपका–खुरपका (एफ.एम.डी) को गंभीर रोग बताते हुए लक्षणों को विस्तार से बताया एवं बचाव हेतु हर 6 माह में पशु को टीका लगाने जबकि ब्रूसेलोसिस के नियंत्रण हेतु 4 से 8 माह के उपर के मादा पशु को जीवन काल में एक बार टीका लगवाने की सलाह दी। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग से डॉ. सुमित पटेल, डॉ. पी. सी. धुर्वे डॉ. जिज्ञासा राणा, डॉ. ए. नागेश्वर, श्री आर. आर. मर्सकोले, जे. के. ट्रस्ट से डॉ. राहुल देव, श्री पुष्पेन्द्र तिवारी, गौ सेवक नाथूराम पटेल, रामचरण पटेल एवं कान्हा प्रोड्यूसर कपंनी से रंजीत कछवाहा उपस्थित रहे तथा केन्द्र में बालाघाट कृषि महाविद्यालय से आये हुए राबे कृषि छात्रों का सराहनीय योगदान रहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

भारतीय गन्ना अनुसधांन सस्थान की वैज्ञानिक टीम द्वारा नरसिंहपुर जिले का भ्रमण

नरसिंहपुर जिले में गन्ना फसल में पाइरिल्ला कीट का अत्याधिक प्रकोप होने के कारण जिले के उपसंचालक कृषि श्री राजेश त्रिपाठी एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के.व्ही. सहारे के संयुक्त प्रयास से भारतीय गन्ना अनुसधांन संस्थान लखनउ उ.प्र. की वैज्ञानिकों की संयुक्त टीम जिसमें कीट वैज्ञानिक डॉ. एम.आर. सिंह, सस्य वैज्ञानिक डॉ. एम. के. त्रिपाठी, पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. दिनेश सिंह के अतिरिक्त उपसचांलक कृषि श्री राजेश त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा ने जिले के विकासखण्ड–करेली, गाडरवारा, सांईखेडा के कृषकों के खेत में उक्त टीम ने भ्रमण किया व उपस्थित कृषकों को गन्ना में लगे पाइरिल्ला व पाइरिल्ला के परजीवी कीट एप्रेकीनिया की पहचान करवाई। विकासखण्ड साईखेडा के ग्राम कोडार में जाकर वृहद कृषक संगोष्ठी का आयोजन कराया गया, गन्ना अनुसधांन संस्थान लखनऊ की टीम के कीट वैज्ञानिक ने बताया की गन्ना मे पाइरिल्ला का अधिक

प्रकोप जिले में देखा जा रहा है किन्तु यह भी देखा जा रहा है कि गन्ना फसल मे पाइरिल्ला को खाने वाले परिजीवी एप्रेकेनिया भी बहुत अधिक संख्या में देखे जा रहे है अतः किसानों व उपस्थित शुगर मिल मालिकों को कोई भी कीटनाशक गन्ने पर न छिड़कने की सलाह दी गई। इस अवसर पर किसान एवं कृषि कल्याण विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सहायक संचालक गन्ना, भी उपस्थित थे, इस संगोष्ठी में लगभग 200 कृषक व 25 अधिकारी, कर्मचारी, उपस्थित रहें।

माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा जोनल कार्यशाला में केन्द्र द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन

विगत दिनों भारतीय कृषि अनुसधान परिषद जोन– 9 द्वारा खजुराहो जिला छतरपुर में आयोजित जोनल कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिहंपुर द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में आर्कषणों का केन्द्र

जिले के अन्वेषक कृषक श्री रोशन लाल द्वारा निर्मित गन्ना बडचिपर व गोबर से निर्मित सामग्री जैसे गोबर गमला तथा गोबर के दिये आदि रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यकम का शुभारंभ

पशुओं में लगने वाले खुरपका एवं मुंहपका रोग तथा ब्रूसेलिस रोगों हेतु राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री जी ने मथुरा में किया जिसका बेवकास्टिंग के माध्यम से सीधा प्रसारण केन्द्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पशुपालन से संबंधित कार्यशाला का आयोजन भी केन्द्र में किया गया। डॉ. आशीष त्रिपाठी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने केन्द्र की गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही पशु आहार के रूप में एजोला की

महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. सी.के. त्रिपाठी उप संचालक, पशु पालन विभाग ने खुरपका, मुंहपका रोग तथा ब्रूसेलिस रोगों के नियंत्रण बारे में जानकारी दी तथा गौशाला स्थापित करने हेतु शासन की योजनाओं पर प्रकाश डाला। श्री ए.पी. सुमन उप संचालक कृषि ने कृषि में पुशपालन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. आर.के. जायसवाल, डॉ. आर.पी. सिंह एवं श्री रीतेश बागोरा ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जिले के पशुपालन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों सहित लगभग 90 पशुपालकों ने भाग लिया ।

कृषि अधिकारियों का खरीफ फसलों पर प्रशिक्षण

दिनांक 12 सितंबर, 2019 को केन्द्र द्वारा जिले के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कृषि अधिकारियों को खरीफ मौसम में समसामयिकी कार्य एवं पौध संरक्षण की जानकारी दी। श्री ए.पी. सुमन उपसंचालक कृषि ने वर्तमान परिस्थितियों में अच्छे उत्पादन में पौध संरक्षण की भूमिका तथा प्रशिक्षण की

महत्ता पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आशीष त्रिपाठी, ने खरीफ मौसम की फसलों के रोग व कीटों की पहचान व नियंत्रण की जानकारी दी। डॉ. आर.के. जायसवाल ने धान एवं उर्द के रोग नियंत्रण पर प्रकाश डाला उन्होंने। डॉ. रणविजय सिंह ने खरीफ मौसम की सब्जियों में सामयिक घुलनशील एन.पी.के. 18–18–18 के छिड़काव की सलाह दी। श्री रितेश बागोरा ने पोषक तत्वों की कमी के लक्षण व उनकी कमी को दूर करने हेतु विभिन्न पोषक तत्वों को उपयोग की सलाह दी। कार्यक्रम में जिले के 42 कृषि अधिकारियों 11 उन्नतशील कृषकों व कृषि महाविद्यालय टीकमगढ़ के 22 रावे छात्रों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

दलहन तिलहन में प्रशिक्षण आयोजित

केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन दलहन तिलहन के तहत सोयाबीन, उड़द एवं अरहर की उन्नत तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित किये गये। जिले के क्लस्टर ग्राम पड़िया, ऐतला, गोरगॉव, नौढ़िया, खुजवा, अमरा, अमवा, झूसी फुलहा, मेथौरी एवं केन्द्र का सेटेलाइट ग्राम रीठी के चयनित कृषकों को फसलवार प्रशिक्षण दिया गया। सोयाबीन (आर. बी. एस. 2001–4) उड़द (प्रताप उड़द–1)

एवं अरहर (टी जे टी 501) में क्रमशः 10 हे., 20 हे. एवं 20 हे. क्षेत्र में प्रदर्शन का आयोजन किया गया क्लस्टर कार्यक्रम के प्रभारी डा. ब्रजेश कुमार तिवारी नें कृषकों को प्रदर्शन में उपयोगी तकनीक जैसे– उन्नतशील किस्म + थायरम की 2 ग्रा./ कि.ग्रा. बीज, थायामेथाक्साम 30 अनुपात डी. एफ एवं तरल राइजोबियम), रेल्ज बेड प्लांटर से बोनी, एकीकृत तत्व प्रबंधन, एकीकृत खरपतवार प्रबंधन एवं एकीकृत कीट व्याधि प्रबंधन की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार डॉ. केवल सिंह बघेल, डॉ. स्मिता सिंह, ने कृषकों को विषयवार प्रशिक्षण दिया। डॉ. किन्जल्क सिंह, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. संजय सिंह, श्री ए. के. पटेल, डॉ. सी. जे. सिंह एवं श्री एम. के. मिश्रा ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाण्डेय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से सहा महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. एम. के. अग्निहोत्री उपस्थित हुए। इस दौरान डॉ. एस. के. त्रिपाठी, डॉ. एम. ए. आलम, डॉ. ए.

एस. चौहान, डॉ. डी. पी. दुबे, डॉ. आर. के. तिवारी, डॉ. आर. पी. जोशी इत्यादि उपस्थित रहे।

जिले में कृषकों द्वारा नवाचार : केले की खेती

केन्द्र के वैज्ञानिकों के लगातार सामूहिक प्रयासों से कृषकों को नई–नई तकनीकी जानकारी के संदर्भ में केन्द्र के प्रयासों से श्री रमेश पटेल खजुहा एवं श्री दुर्गा भांकर मिश्र रकरिया के कृषकों द्वारा नवाचार करने का संकल्प लिया जिसमें केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. राजेश सिंह उद्यान वैज्ञानिक ने जी–9 केले की टिशु कल्चर जैन इरीगेशन जलगॉव की केले की प्रजाति जी–9 का रोपण 20 अगस्त 2018 को एक–एक एकड़ में किया एवं उसमें 50 कि.ग्रा. डी. ए. पी. + एम. ओ. पी. 25 कि.ग्रा. + एस. एस. पी. 25 कि.ग्रा. प्रति एकड़ के साथ उपयोग किया एवं प्रति पौधा 1 कि.ग्रा. वर्मी

कंपोस्ट के साथ रोपण किया साथ ही माह अक्टूबर में मिट्टी की मेड़ बनायी इसके बाद दिसंबर माह में 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर सल्फर का छिड़काव किया ताकि पाले से पौधों को बचाया जा सके, इसके अलावा वेस्ट डिकम्पोजर का घोल ड्रिप के माध्यम से लगातार पौधो को दिया जाता रहा जिससे पौधे लगातार स्वास्थ वर्धक रहे एवं साल भर बाद प्रति पौधा 8 –10 दर्जन केले आ चुके हैं अब यदि कृषकों का प्रति दर्जन केला खेत में ही 20 रू. दर्जन बिक जाएगा तो प्रति एकड़ 11 सौ पौधे से रू. दो लाख बीस हजार की आमदनी होगी। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि केन्द्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. राजेश सिंह एवं पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार के लगातार प्रयासों के चलते कृषकों द्वारा नवाचार अपनाने से प्रति एकड़ में पंरपरागत कृषि की अपेक्षा ज्यादा लाभ होने की संभावना रहती है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन द्वारा किया गया कृषि विज्ञान केन्द्र का अवलोकन

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन एवं डॉ. अजय खरे, उप– लेखा नियंत्रक, ज.ने.कृ.वि.वि., द्वारा केंद्र पर भ्रमण कर अवलोकन किया गया, भ्रमण के दौरान कृषि महाविद्यालय, पवारखेडा एवं गंजबासोदा से रावे कार्यक्रम हेतु आई 19 छात्राओं को कुलपति महोदय द्वारा कृषि शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सम्भावनाये, महत्व के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा कर उनका मार्गदर्शन कर, उन्हें प्रोत्साहित किया। डॉ. के. एस. यादव द्वारा केंद्र की विभिन्न विस्तार गतिविधियों जैसे– प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं अन्य जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

वृहद वृक्षारोपण एवं कृषक गोष्ठी आयोजित

केंद्र में आज वृहद वृक्षारोपण एवं कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बालाघाट–सिवनी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन एवं कार्यक्रम

की अध्यक्षता माननीय प्रमंडल सदस्य जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर श्री ओम ठाकुर रहे, कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय कुलगीत का प्रदर्शन किया गया, जल संरक्षण पर जागरूकता हेतु वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया गया, केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल ने स्वागत उद्बोधन एवं केंद्र द्वारा कृषक हितैषी योजनायें व कार्यो का पावर पॉईंट प्रदर्शन द्वारा विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हमारी अति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

पृथ्वी को प्रदूषण से बचाने हेतु रासायनिक दवाओं का कम प्रयोग, नरवाई को न जलाने एवं खेतों एवं मेढ़ों में वृक्षारोपण करने पर जोर दिया साथ ही पंच तत्व–जल–वायु–अग्नि–आकाश–भूमि के बीच संतुलन बनाये रखना महत्वपूर्ण है, अतः अन्नदाता कृषक सर्मपण व जागरूकता के साथ वृक्षारोपण करें। हमारे कृषक मल्टी लेयरिंग फार्मिंग पर ध्यान दें, ताकि उत्तम लाभ समय–समय पर प्राप्त हो। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रमंडल सदस्य श्री ओम ठाकुर ने बताया कि कृषि में उन्नत तकनीक की जानकारी व ज्ञान के प्रचार–प्रसार में केंद्र एवं कृषि वैज्ञानिक पूर्ण ईमानदारी से कार्य कर रहे है। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक श्री विजय बघेल, इफको के क्षेत्रीय समिति के सदस्य एवं अन्य प्रगतिशील कृषक श्री भूपत सनोडिया ग्राम–सिमरिया, श्री भुजबल गहलोत ग्राम–फरेदा, श्री अशोक तिवारी ग्राम–घाटपिपरिया, उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 150 से अधिक महिला एवं पुरूष कृषकों की उपस्थिति रही, इसके अलावा रावे छात्रायें, केंद्र, के वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. भंडारकर, इंजी एस. के. चौरसिया, डॉ. एन. के. सिंह, श्री जी. के. राणा, डॉ. किरन पाल सिंह सैनी एवं कर्मचारियों में प्रमुख रूप से श्रीमति आभा श्रीवास्तव, श्री शिवशंकर मिश्रा, श्री देवीप्रसाद तिवारी, श्री नीत लाहौरी, श्री पवन गढेवाल एवं हिमांशु कुमारे का सक्रिय सहयोग एवं उपस्थिति रही।

गाजरघास उन्मूलन व जागरूकता सप्ताह के तहत रैली आयोजित

हर वर्ग व्यक्ति एवं फसल के लिये नुकसानदायक गाजर घास के उन्मूलन व जागरूकता हेतु केंद्र के कृषि वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं 6 माह का कोर्स करने आयी रावे की छात्राओं द्वारा केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल के मार्गदर्शन में 16 से 22 अगस्त 2019 तक गाजर घास उन्मूलन सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ग्राम छिडिया (पलारी) में रैली निकाली गई, केंद्र प्रमुख ने बताया कि रावे की छात्राओं द्वारा गांव में स्थित प्राथमिक शाला के छोटे–छोटे बच्चों को गाजरघास की समस्या व समाधान हेतु व्यावसायिक एवं सैंद्यातिक तकनीकी

जानकारी प्रदान की गई, इस दौरान बच्चों को गाजरघास नष्ट करना एवं पोस्टर व बैनर के माध्यम से सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। रावे की छात्राओं द्वारा गाँव में कृषकों व आम जन मानस को जागरूक करने के दृष्टिकोण से पूरे गॉव में स्कूल के बच्चों के साथ ही स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा रैली निकाली गई। रावे कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. के. के. देशमुख द्वारा गॉव के बच्चों को गाजर घास के रोकथाम की व्यापक जानकारी दी गई साथ ही डॉ. ए. पी. भंडारकर ने बताया कि इस गाजर घास में वर्षा ऋतु में मेक्सिकन बीटल को डाला जाये तो ये कीट गाजर घास को समूल खाकर नष्ट कर देता है। श्री जी. के. राणा ने गाजरघास की फसलोत्पादन एवं पशुओं को होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी प्रदान की। गाजरघास पर 20 प्रतिशत साधारण नमक का घोल बनाकर छिड़काव कर सकते है। शाकनाशी रसायनों में ग्लाईफोसेट 2, 4 डी, मेट्रीब्युजिन, एट्राजीन, सिमेजिन, एलाक्लोर और डाइयूरान आदि का भी उपयोग कर सकते है। रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम में केंद्र के डॉ. शेखरसिंह बघेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, श्री ए.पी. भंडारकर, डॉ. के.के. देशमुख, श्री जी. के. राणा, श्री देवीप्रसाद तिवारी, श्री हिमांशु कुमारे उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर स्किल इंडिया मिशन की वर्षगांठ

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर केन्द्र द्वारा रिलायंस फाउण्डेशन के साथ मिलकर स्किल इंडिया मिशन की

चौथी वर्षगांठ मनायी गयी तथा साथ ही साथ महिला तथा पुरूष कृषको का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे 120 से अधिक किसानों ने भाग लिया। परिचय सत्र के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने कौशल उन्नयन के बारे में अपने विचार रखे। केन्द्र प्रमुख डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने कौशल आधारित प्रशिक्षण की अवधारणा पर ध्यान केन्द्रित किया तथा बताया कि कौशल को समयानुसार बढ़ाने की

आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केन्द्र विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा दे रहा है।

गाजर घास उन्मूलन पर जागरूकता कार्यक्रम

केन्द्र द्वारा गाजर घास उन्मूलन पर जागरूकता कार्यक्रम दिनांक 22 अगस्त 2019 को आयोजित किया गया, कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों और आम जनता के बीच गाजर घास खरपतवार के बारे में जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम में इस खरपतवार की पहचान विशेषतः इसके

नियंत्रण उपायो तथा मानव और पशुओं में होने वाले खतरे के बारे में और पशुओं में होने वाले खतरे के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक गण एवं रावे के छात्र उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

गाजर घास उन्मूलन व पौध रोपण सप्ताह

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. महेन्द्र सिंह बघेल, डॉ. अलका सिंह, गृह विज्ञान, वैज्ञानिक, डॉ. धनंजय सिंह, सस्य वैज्ञानिक एवं श्रीमती अमृता तिवारी कार्यक्रम

सहायक, एवं रावे छात्राओ द्वारा 16 अगस्त से 22 अगस्त 2019 तक गाजर घास उन्मूलन सप्ताह मनाया गया जिसके अन्तर्गत रैली निकाल करके लोगो को जागरूक किया गया व गाजर घास की पत्तियों को खाने वाला कीट मैक्सिकन बीटल पर डाला गया। कृषि महाविद्यालय, रीवा के अधिष्ठाता, डॉ. एस.के. पाण्डेय के द्वारा दिनांक 31 अगस्त 2019 को केन्द्र में भ्रमण किया गया व रावे छात्राओ के अधिग्रहित ग्राम जोगीपुर में पौध रोपण का कार्य किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

पीपल पौध रोपण

केन्द्र द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवम् जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को न्युनीकृत करने के उद्देश्य से कृषि अनुसंधान परिषद् की स्थापना दिवस के अवसर पर देवरा प्रक्षेत्र में दिनांक 16 जुलाई, 2019 को मान्नीय विधायक–सिंगरौली श्री रामलल्लू बैस के मुख्य आतिथ्य में पीपल एवम् बरगद के वृक्ष का रोपण कर पौध रोपण की शुरूआत की गयी। केन्द्र द्वारा वृक्षारोपण के क्रम को आगे जारी रखते हुए दिनांक 17

अगस्त, 2019 के मान्नीय विधायक सिंगरौली एवम् देवसर श्री रामलल्लू बैस तथा श्री सुभाष वर्मा द्वारा क्रमशः ज.ने.कृ. वि.वि. के प्रमण्डल सदस्या श्रीमती आशा अरूण यादव तथा श्री एस.के.गौतम, अध्यक्ष उच्च तकनीकी शिक्षा एवम् विकास समिति, द्वारा सघन बागवानी की स्थापना पौध रोपण कर की गयी।

मान्नीय प्रधान मंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण

दिनांक 11 सितम्बर, 2019 को मान्नीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा राष्ट्रीय पशु रोग उन्मुलन एवम् राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर केन्द्र के सभागार में माननीय विधायक सिंगरौली श्री रामलल्लू बैस, मान्नीय विधायक देवसर श्री सुभाष वर्मा,ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर की प्रमण्डल सदस्या श्रीमती आशा अरूण यादव की उपस्थिति में मान्नीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण कराया गया, इस कार्यक्रम 131 कृषकों एवम् 17 विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में संगोष्ठी स्थल पर 35 पशुओं को मुँहपका एवम् खुरपका रोग हेतु टीकाकरण कराया गया एवम् केन्द्र

के अंगीकृत ग्राम–चितरबई कला में पशुपालन एवम् चिकित्सा विभाग, सिंगरौली के सहयोग से पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया गया जिसमें 150 पशुओं का उपचार 318 पशुओं का टीकाकरण एवं एक पशु में कृत्रिम गर्भाधान का कार्य कराया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

पशु स्वास्थ्य शिविर एवं टीकाकरण कार्यक्रम

केंद्र द्वारा 5 एवं 6 अगस्त 2019 को काँटी एवं नन्दनपुर में पशु स्वास्थ्य शिविर एवं टीकाकरण कार्यक्रम किया गया, जिसमें पशुओं की बीमारियों, संक्रमण आदि का उपचार एवं बकरियों में ई.टी. का टीकाकरण किया गया। गाय एवं भैंसों में गलघोंटू, एफ.एम.डी. एवं लंगड़ी बुखार का

टीकाकरण किया गया। पशु चिकित्सा विभाग ने पशु टीकाकारण में अपने स्टाफ के साथ सहयोग प्रदान किया। इन कार्यक्रमों में कुल 404 पशुओं का उपचार एवं टीकाकारण किया गया।

गाजरघास उन्मूलन सप्ताह मनाया गया

केंद्र द्वारा दिनांक 16–22 अगस्त 2019 सप्ताह को गाजरघास उन्मूलन सप्ताह के रूप में मनाया गया, इस दौरान 20 अगस्त, 2019 को ग्राम महुबिया में रैली एवं संगोष्ठी के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 21 अगस्त, 2019 को ग्राम नन्दनपुर एवं नादिया में प्रशिक्षण एवं कृषक सभा तथा 22 अगस्त, 2019 को केंद्र में कृषि महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं, अध्यापक–प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक गाजरघास उन्मूलन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अधिष्ठाता, डॉ. ए. के. सरावगी, कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़ की अध्यक्षता में एक परिचर्चा संपन्न की गयी तथा केंद्र परिसर में गाजरघास जागरूकता अभियान के अंतर्गत सभी ने कार्यालय परिसर में गाजरघास निकालकर गाजरघास मुक्त परिसर बनाने का संकल्प लिया। गाजरघास जागरूकता उन्मूलन सप्ताह कार्यक्रमों में मनुष्य, पशु एवं फसलों/सब्जियों पर पड़ने वाले दुष्परिणाम के बारे में अवगत कराया गया एवं बताया गया की लोगों को अपने घरों एवं खेतों से गाजरघास के फूलने से पहले उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए और किसान भाई तो इसे घूरे या गड्ढे में डालकर गोबर के साथ सड़ाकर अच्छी कम्पोस्ट खाद तैयार कर सकते हैं। गाजरघास के बीज बहुत अधिक एवं सूक्ष्म होते हैं जो हवा, वाहनों, पानी, नदी, नालों के माध्यम

से एक स्थान से दूसरे स्थान पर फैलते हैं। इसको रासायनिक दवा और जैविक तरीकों से भी नियंत्रण किया जा सकता है। कार्यक्रम वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. बी. एस. किरार के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. आर. के प्रजापति, डॉ. एस. के. खरे, डॉ. एस. के. सिंह, श्री यू. एस. धाकड़, डॉ. आई. डी. सिंह तथा कृषि महाविद्यालय के डॉ. वी. के. सिंह, डॉ. डी. एस. तोमर, डॉ. एम. के. नायक, डॉ. ललित मोहन बल, डॉ. पी. के. त्यागी एवं श्रमिकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन. एफ. एस. एम) के तहत् तिलहन एवं दलहन क्लस्टर प्रदर्शन

विश्वविद्यालय एवं अटारी जोन 09 के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन. एफ. एस. एम.) के अंतर्गत् खरीफ में क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन सेटेलाईट ग्राम–ताली विकासखण्ड करकेली में तिलहन फसल में 4 हेक्टेयर में 25 कृषक प्रक्षेत्रों पर तिल फसल में एवं दलहन में अरहर पर 20

हेक्टेयर क्षेत्रफल में 50 कृषकों के प्रक्षेत्रों पर किये गये ।

आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत् खरीफ में धान एवं रबी में किनोवा

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के.पी. तिवारी के मार्गदर्शन में आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत् खरीफ में 12 हेक्टेयर

में 63 कृषकों के प्रक्षेत्रों पर धान की एम टी यू 1010 किस्म पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन डाले गये। रबी में उक्त प्रक्षेत्रों पर किनोवा फसल प्रदर्शन कार्यक्रम लेना प्रस्तावित है।

अवार्ड / सम्मान

श्री आकाश चौरसिया भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा ''पंडित दीनदयाल अंत्योदय कृषक जोनल पुरूस्कार''से सम्मानित

16 जुलाई, 2019 को श्री आकाश चौरसिया को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 91वें स्थापना दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल अंत्योदय कृषक जोनल पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में कुल 78 जिलों के 78 कृषि विज्ञान केन्द्रों में से यह पुरूस्कार श्री आकाश चौरसिया को ही प्राप्त हुआ है जो कि सागर जिले के लिए ही नहीं बल्कि पूरे बुंदेलखण्ड के लिए गौरव की बात है। इसी तारतम्य में तिलीग्राम, सागर के श्री आकाश चौरसिया को उनके द्वारा अभिनव प्रयोग ''फोरलेयर सघन फार्मिंग'' हेतु यह पुरूस्कार दिया गया है।

उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान

कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह से डॉ. मनोज अहिरवार को उत्कृष्ट कार्य के लिए माननीय कुलपति, प्रोफेसर पी.के. बिसेन, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के डॉ. अनुपम मिश्रा, निदेशक, अटारी , डॉ. श्रीमिति ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेंवायें, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा दिनांक–15 अगस्त, 2019 को सम्मानित किया गया ।

कृषि उदय 2019

राष्ट्र स्तरीय किसान मेला कृषि उदय 2019

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा दिनांक 14 से 16 अक्टूबर 2019 को अग्रणी किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के अपेक्षानुसार कृषक भाईयों की आमदनी को 2022 तक दोगुना करते हुए खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के दृष्टिकोण से यह मेला आयोजित किया जा रहा है। विगत वर्षों में कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखित प्रगति हुई है। कृषि क्षेत्र में उन्नत यंत्रों एवं नवीनतम कृषि तकनीकी एवं पशुधन से संबंधित उन्नत तकनीकी को प्रदेश के समृद्धशील कृषकों तक पहुंचाना है। यह विशाल आयोजन इस कड़ी में एक सशक्त माध्यम होगा।

कृषि संगोष्ठी

प्रथम सत्र : जलवायु एवं फसल

- जलवायु परिवर्तन का फसलों पर प्रभाव
- फसलों में खरपतवार प्रबंधन
- विभिन्न फसलों की उन्नत प्रजातियॉ, कृषि जलवायु के अनुरूप किस्मों का चयन
- औषधीय एवं सगंध फसलें

वैज्ञानिक समूह

डॉ. एम.एल. केवट, डा. आर.एस. शुक्ला, डा. संजय सिंह, डॉ. (श्रीमती) अनीता बब्बर, डॉ. के.के. अग्रवाल, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. मनीष भान, डॉ. नितिन सिंघई

द्वितीय सत्र : जैविक खेती

- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैविक खेती की आवश्यकता एवं भविष्य
- आधुनिक खेती में रसायनों के दुष्परिणाम
- जैव उर्वरक एवं जीवांश खाद
- केंचुआ खाद उत्पादन एवं फसलों में उपयोग
- जैविक खेती में समेकित कीट व्याधि प्रबंधन

वैज्ञानिक समूह –

डॉ. एस.एन. सिंह, डॉ. ए.के. भौमिक, डॉ. एस.बी. दास, डॉ. अभिषेक शुक्ला, डॉ. एन.जी. मित्रा, डॉ. पी.बी. शर्मा, डॉ. एस. बी. अग्रवाल, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. शरद विश्वकर्मा, डॉ. केवल सिंह बघेल

तृतीय सत्र : कृषि तकनीक के अनुरूप यंत्रों का समावेश

- गहरी जुताई से लाभ एवं उपयुक्त समय
- बीज उपचार एवं प्रसंस्करण हेतु उपयुक्त यंत्र
- संरक्षित खेती : हेप्पी टर्बोसीडर, रेज्डवेड प्लान्टर, रिज फरो मेकर
- सिंचाई जल की उपयोगिता बढ़ाने हेतु उपाय
- कृषि रसायनों के उपयोग में प्रयुक्त यंत्र

वैज्ञानिक समूह

डॉ. व्ही.बी. उपाध्याय, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. एम.के. अवस्थी, डॉ. एस.बी. अग्रवाल, डॉ. रत्नेश श्रीवास्तव, डॉ. बृजेश तिवारी

चतुर्थ सत्र : संरक्षित एवं सघन बागवानी

- पॉली हाउस / नेट हाउस
- पलवार (मल्चिंग)
- रेज्ड वैड
- ड्रिप सिंचाई पद्धति

वैज्ञानिक समूह

डॉ. एस.के. पाण्डे, डॉ. सी.एस. पाण्डे, डॉ. निखिल सिंह, श्री बदरूद्दीन खान

पंचम सत्र : कृषि आधारित उपक्रम

- मधुमक्खी पालन / लाख उत्पादन
- मशरूम उत्पादन विपणन एवं प्रसंस्करण
- समन्वित खेती (फसल उत्पादन, सब्जी / फल फूल, पशुपालन, गोबर गैस, केंचुआ खाद उत्पादन
- कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण परिरक्षण एवं विपणन

वैज्ञानिक समूह

डॉ. एल.पी.एस. राजपूत, डॉ. ए.आर. वासनीकर, डॉ. एस.के. पाण्डे, डॉ. पी.व्ही. शर्मा, डॉ. एस.बी. दास, डॉ. ए.के. भौमिक, डॉ. मोनी थामस, डॉ. (श्रीमती) अल्पना सिंह, डॉ. रमेश कुमार मिरज्ञ

प्रश्नोत्तरी

कृषि समस्याऐं एवं समाधान

- शाम 4 से 5 बजे तक

आगामी माह के कृषि कार्य

- सरसों की बोनी के लिए क्षेत्र में उपयुक्त किस्म के प्रमाणित बीज का प्रयोग करें। सरसों के उपचारित बीजों को 30 से.मी. कतारों में बोनी करें। सिफारिश अनुसार प्रारंभिक उर्वरक का प्रयोग अवश्य करें। अंकुरण के 7–10 दिन के बाद आरा–मक्खी, पेंटड बग की रोकथाम करें। निंदाई एवं विरलीकरण कर सरसों में पौधे से पौधे की दूरी 8–10 से.मी. रखें।
- बारानी क्षेत्र में सरसों की बुवाई 15 अक्टूबर तक एवं सिंचित क्षेत्र में इस माह के अंत तक बुवाई करें। जहां पलेवा करके बुवाई की जानी हो वहाँ वन प्याजी की रोकथाम करें।
- चने व सरसों की मिश्रित फसल बोयें।
- चने की बुवाई असिंचित अवस्था में अक्टूबर के अंत तक कर दें। बारानी क्षेत्रों में भी प्रारंभिक उर्वरकों का प्रयोग अवश्य करें। बीज जनित रोगों की रोकथाम हेतु बीज उपचार अवश्य करें।
- चने के बीज का जवाहर राइजोबियम व जवाहर पी.एस. बी. कल्चर से टीकाकरण व जवाहर ट्राइकोडर्मा से उपचारित कर बुवाई करें। बुवाई के 25–30 दिनों पर निंदाई करें।
- जौ की बुवाई के लिए उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज का प्रयोग करें एवं बीजोपचार करें। समस्याग्रस्त क्षेत्रों में मध्य अक्टूबर तक बुवाई करें।

- शरदकालीन गन्ने की बुवाई करें।
- मध्य अक्टूबर के बाद गेहूँ की देशी प्रजातियों की बोनी असिंचित तथा हवेली दशाओं में की जा सकती है।
- सिंचित क्षेत्रों में गेहूँ की अनुशंसित और अधिक उपज देने वाली किस्मों की बुवाई करें।
- भूमिगत कीड़ो की रोकथाम हेतु क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत या पैराथियॉन 2 प्रतिशत 25 कि.ग्राम चूर्ण प्रति हेक्टेयर भूमि में मिलायें।
- सिंचित क्षेत्रों में चने की बोनी नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह तक अवश्य करें।
- चने की फसल में सिंचाई उपलब्ध हो तो प्रथम सिंचाई 40–50 दिन पर करें।
- सरसों में पहली सिंचाई फूल आने से पूर्व करें। नत्रजन की शेष आधी मात्रा सिंचाई के तुरंत बाद दें।

उद्यानिकी

- आम के थालों की सफाई करें तथा बगीचों में निंदाई–गुड़ाई करें।
- बेर में इस माह कच्चे छोटे–छोटे फल बनने शुरू हो जाते हैं, अतः नत्रजन उर्वरक दें।
- बैंगन की बसंत कालीन फसल की रोपाई करें।
- टमाटर की फसल में निंदाई–गुड़ाई करें एवं खरपतवार निकालें।
- प्याज की पूसा रैड व एग्रीफाउंड लाईट रैड किस्म की बुवाई करें।
- नींबू वर्गीय फल के पौधों में कैंकर रोग की रोकथाम करें।
- लहसुन की बुवाई इस माह में करें।
- प्याज की उपयुक्त किस्मों की पौध तैयार करें।
- बटन मशरूम की खेती हेतु कम्पोस्ट बनायें।

बुक–पोस्ट
मुद्रित सामग्री

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

ज.ने. कृषि वि.वि., जबलपुर

Website: www.jnkvv.org
e-mail:desjnau@rediffmail.com
des@jnkvv.org
Phone: 0761-2681710

मुद्रक : संचार केन्द्र, ज.ने.कृषि वि.वि., जबलपुर
फोन : 0761-4045384, ई-मेल : sanchar.jnkvv@gmail.com

प्रति, _____

_____

_____